मंथन

26 जनवरी, 2025

सीएसआईआर
CSIR
भारत का नवाचार इंजन
The Innovation Engine of India

स्टाफ क्लब

सीएसआईआर- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान

पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत

CSIR-IHBT
INDIA
1983
उज्जवल भविष्य का नवोन्मेष हब
Innovation Hub for Better Tomorrow

मंथन

स्टाफ क्लब, सी.एस.आई.आर.- हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर

वर्ष 19 **अंक 1** **26 जनवरी, 2025**

आमुख

स्टाफ क्लब की पत्रिका "मंथन" 2025 का पहला अंक आपके समकक्ष प्रस्तुत है। आपके अन्दर विद्यमान वे प्रतिभायें, जिन्हें आप बोल कर या अन्य किसी रूप में व्यक्त नहीं कर सकते, उन्हें मंथन के माध्यम से लघुलेख, कथा, कलाकृति, रेखाचित्र, कविता या अन्य किसी भी रूप में व्यक्त कर सकते हैं तथा छिपी प्रतिभा को निखार सकते हैं।

"मंथन की भावना है-भावनाओं का मंथन"

स्टाफ क्लब के सभी सदस्यों एवं उनके परिजनों से निवेदन है, कि वे मंथन के आगामी अंकों के लिए भी प्रविष्टियां देते रहें, ताकि मंथन के आने वाले अंक समय से प्रकाशित किया जा सके।

इस अंक में प्रविष्टियां देने एवं सहयोग करने वालों का स्टाफ क्लब की ओर से धन्यवाद।

संपादक: धर्म सिंह

संकलन: जसबीर सिंह

विशेष साभार: पवित्र गाइन (कवर चित्र) एवं सौरभ शर्मा (मुद्रण)

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	लेखक	पृष्ठ संख्या
1.	श्याम रंग	रूपाली	03
2.	मंजिल	अवनेश कुमारी	04
3.	ऐ बन्दे	जगदीप सिंह	05

<u>हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान के परिवार के बच्चों की कृतियाँ</u>

अनिल कुमार	06
मुकुल राणा	07
Askini Sharma	08
Dr Dharam Singh's Lab	09
अवंतिका	10
Anushka	11
प्रिशा गिरिधर	12
Avani Rishi	13-16
Tashvi	17-19
Aahan Mehra	20
Samik Sood	21
Samin Sood	22
Ashwin Singh	23
Aynesh Singh	24
Evyaan Awasthi	25
Aarvik Gehlot	26
Mahi Gehlot	27

श्याम रंग

ये जो श्याम रंग है ना
बस यही रंग मन को भाया है।
इस रंग में जो भी रंगा है
उसने ये दुनिया बहुत ही सुंदर रूप में देखी है।

अब देखो ना,
ये जो मोरपंख है
ये कई रंगों से सुशोभित है,
पर फिर भी
सब आकर्षित होते हैं सिर्फ श्याम रंग से ही ।

जब भी शाम का रंग
श्याम रंग में बदलता है
और यह रंग
टिमटिमाते तारो और राधा के समान सुंदर चांद से मिलता है
तब असमान की खूबसूरती
और भी बढ़ जाती है ।
मानो श्याम और राधा का
बहुत ही प्यारा संगम हुआ हो ।
इस श्याम रंग के बिना
चांद की खूबसूरती भी अधूरी है।

और दुनिया ने इस श्याम रंग को
बहुत ही प्यारा नाम दिया है
"कृष्ण "

रूपाली

मंज़िल

राही चल चला चल मंज़िल मिल ही जाएगी।
तू चल चला चल मंज़िल मिल ही जाएगी।
पथ नहीं आसान तेरा मंज़िल मिल ही जाएगी
रख भरोसा अपने हुनर पर।
देर सवेर मंज़िल मिल ही जाएगी।
घबरा मत राह मे आए तूफानों से
मंज़िल मिल ही जाएगी।
नहीं आसान तेरी राहें फिर भी रख भरोसा
मंज़िल मिल ही जाएगी।
कर्म करता चल अपने पथ पर
मंज़िल मिल ही जाएगी।
कशतियाँ उन्ही की किनारे लगती है
जो हौसलों की उड़ान भरते हैं।
डर से नौका पार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।
रख भरोसा अपने खुदा पर मंज़िल मिल ही जाएगी।
जीत कर दिखाओ उनको जिन्हे तुम्हारी हार का इंतज़ार है।

अवनेश कुमारी
वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी (3)

ऐ बन्दे

ऐ बन्दे

ना हिन्दू बन ,ना मुस्लिम

न भ्रष्टाचार का गुलाम।

बस एक इंसान बन

कुछ ऐसे कर्म कर,

के खुद से कोई शर्म ना हो।।

इतना सुन्दर जीवन दिया हमें

कई लोगो की कुर्बानी ने।

फेशन ने अँधा कर दिया हमे

जोश भरी जवानी में।।

क्या समझेंगे हम मोल इस आजादी का।

कभी सहा नहीं दर्द हमने गुलामी का।।

जगदीप सिंह

Artwork Title - एक नन्हीं परी ।

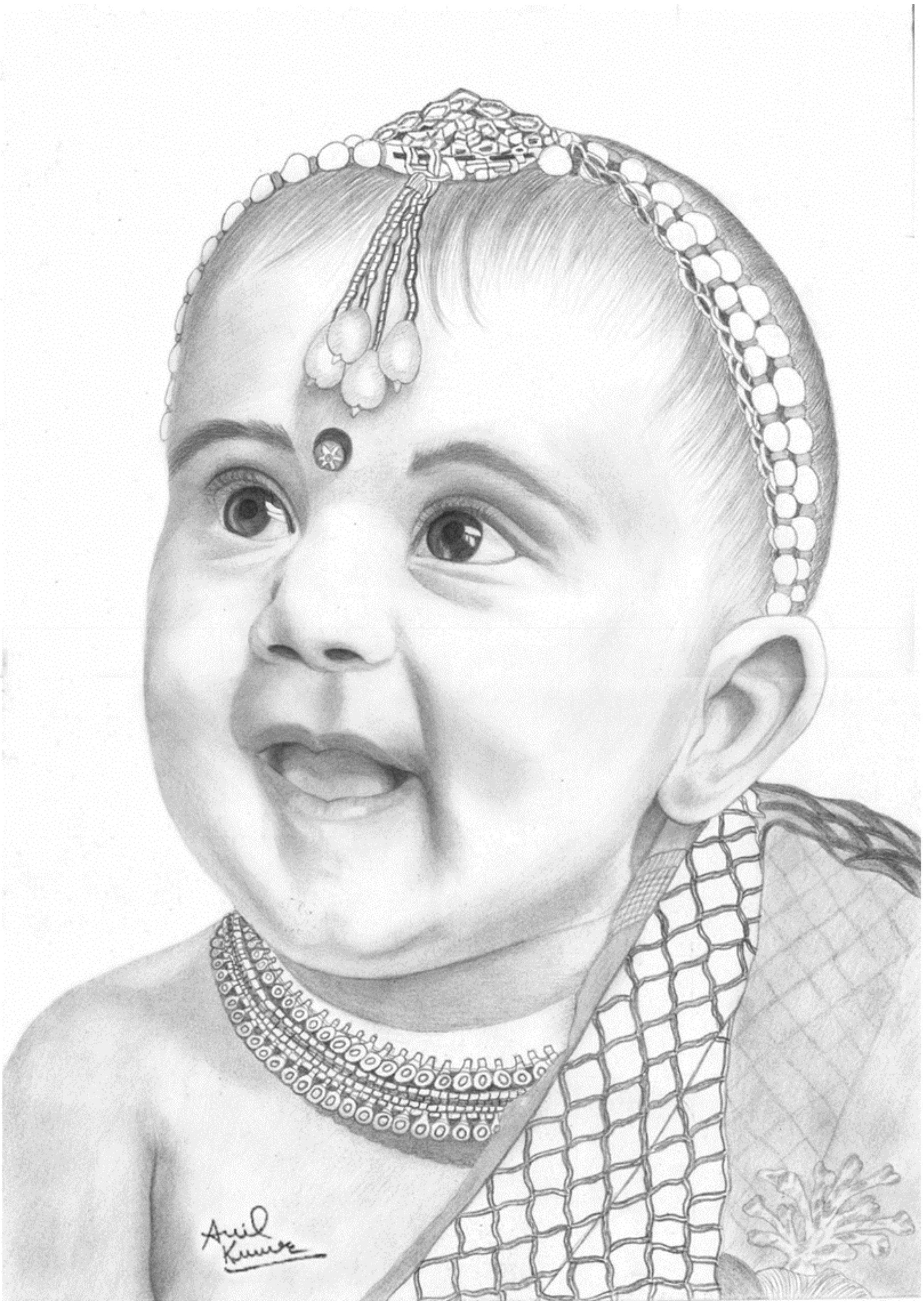

Anil Kumar (PhD Scholar)
Chemical Technology Division

Mukul Rana (PA-I)

Askini Sharma
Class-XI

Microbial art with colourful bacteria

अवंतिका

Anushka
Class-X

प्रिशा गिरिधर

Dear Mom,
In your arm you held us
Little did we know but you have given us
the greatest treasure that will never fade
that's your love
Avani Rishi
XII-A

Avani Rishi

Avani Rishi

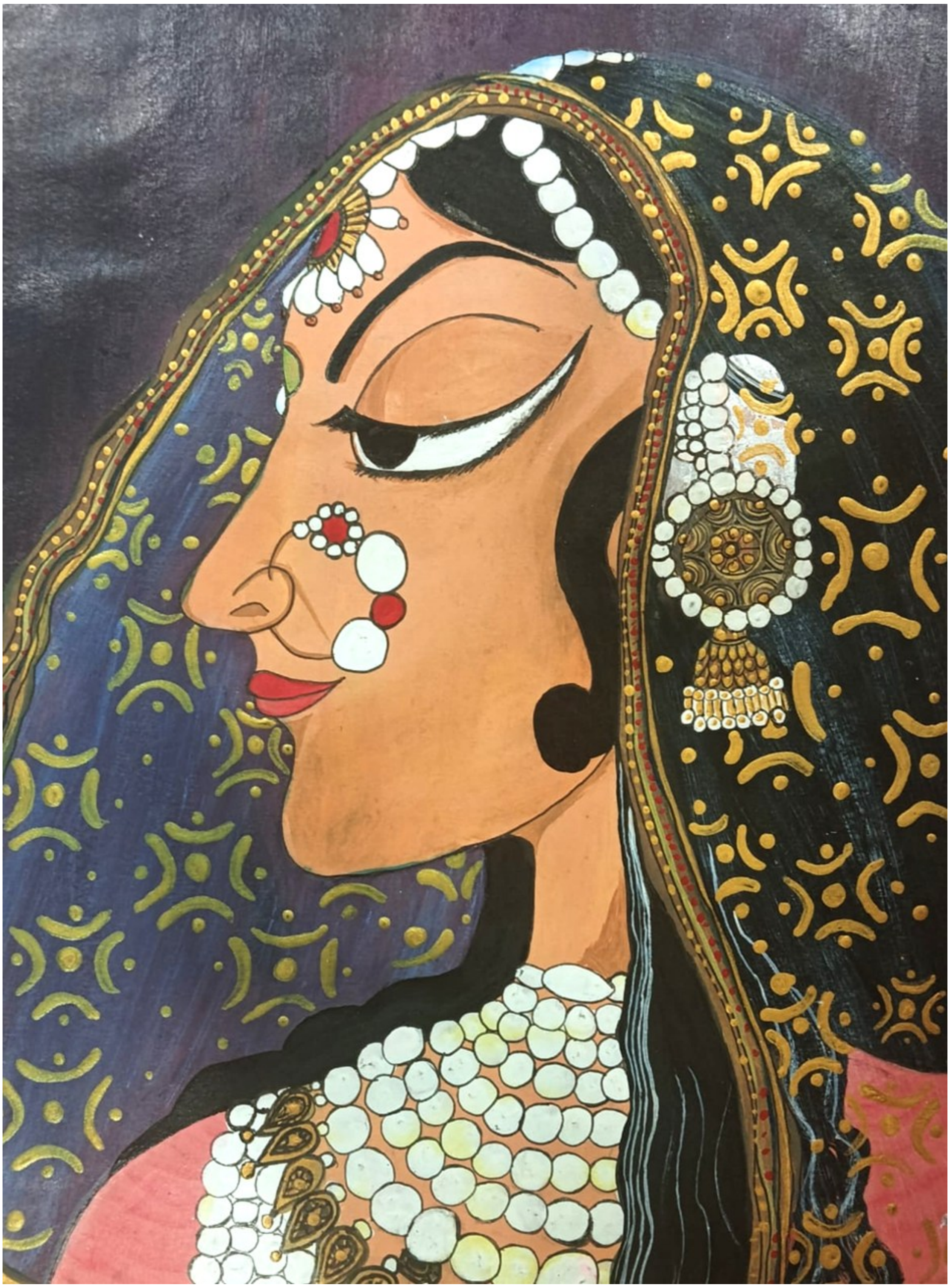

Avani Rishi

Avani Rishi

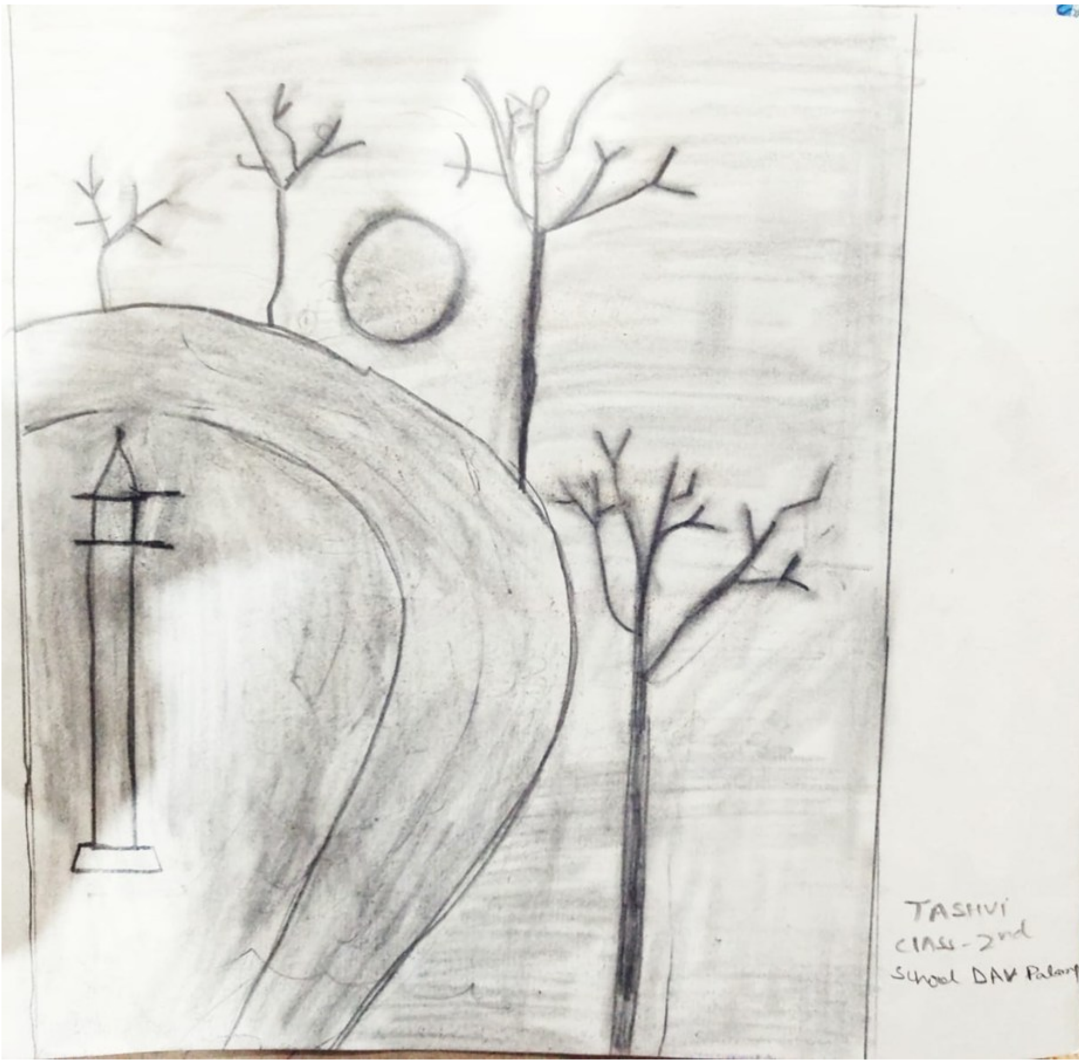

Tashvi
Class-II

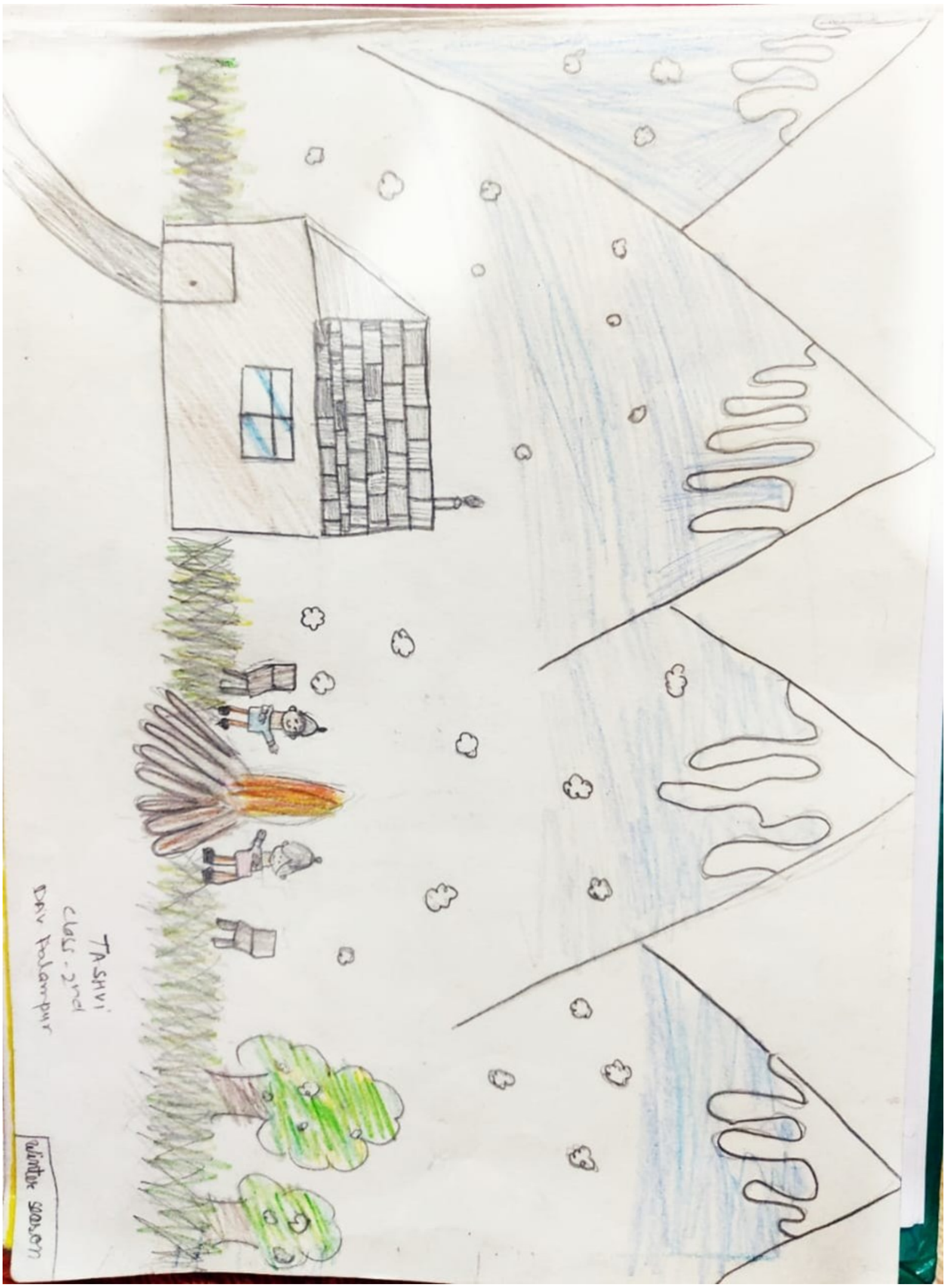

Tashvi
Class-II

Tashvi
Class-II

Aahan Mehra
Class-I

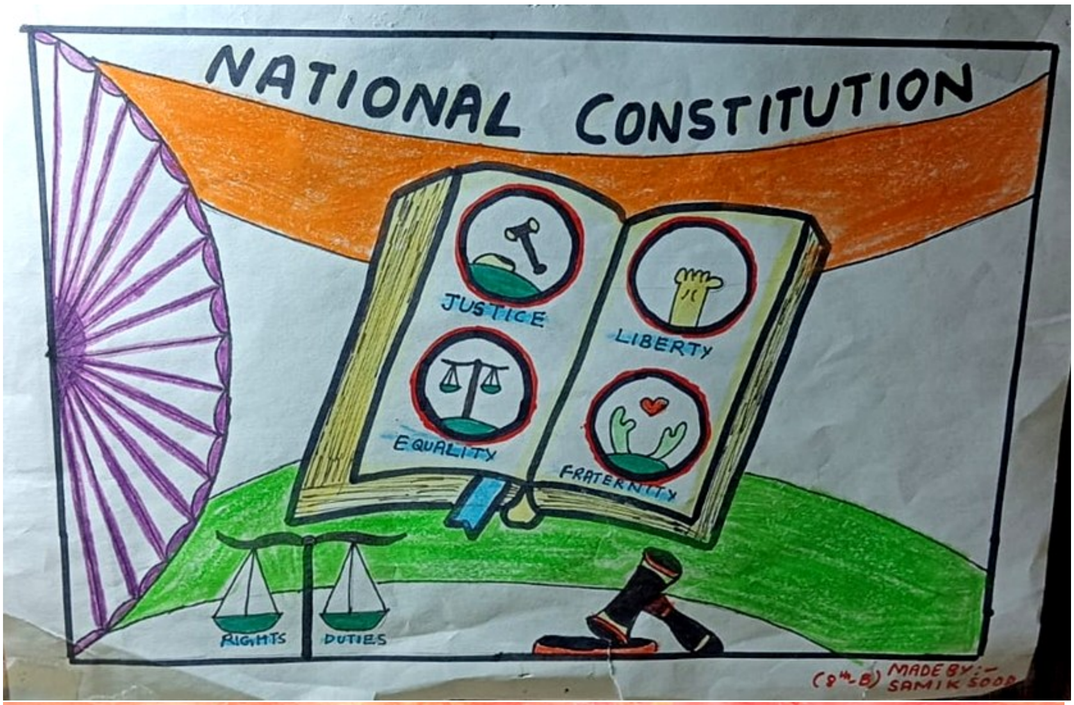
NATIONAL CONSTITUTION
JUSTICE
LIBERTY
EQUALITY
FRATERNITY
RIGHTS
DUTIES
MADE BY:-
SAMIK SOOD

Samik Sood

Samin Sood
Class-III

Ashwin Singh

Aynesh Singh

Evyaan Awasthi
Class-V

Aarvik Gehlot

Mahi Gehlot

सी एस आई आर–हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत

CSIR-IHBT
INDIA
1983

उज्जवल भविष्य का नवोन्मेष हब

Innovation Hub for Better Tomorrow